प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

प्रसार शिक्षा निदेशालय में 114वें किसान मेले पर पत्रकार सम्मेलन

पंतनगर। 12 अक्टूबर 2023। विश्वविद्यालय में प्रसार शिक्षा निदेशालय में आज 114वें किसान मेले का पत्रकार सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. जे.पी. जायसवाल ने बताया कि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान के नेतृत्व में 114वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 13 से 16 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य कृषि विविधिकरण के साथ वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीकी जानकारी को और अधिक बढाया जाना है, जिससे किसान उन तकनीकों को अपनी खेती में अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सके। उन्होंने बताया कि इस मेले में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित खरीफ की विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन एवं सब्जियों आदि के वैज्ञानिक पद्धति से लगाये गये परीक्षण/प्रदर्शन दिखाये जायेंगे तथा रबी की प्रमुख फसलों जैसे गेहूं, चना, मटर, जौ, मसूर, तोरिया, सरसों एवं सब्जियों की अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के प्रमाणित व आधारीय बीज विक्रय हेतु उपलब्ध होंगे। साथ ही विभिन्न शोध केन्द्रों द्वारा उत्पादित सब्जियों, फूलों, औषधीय व संगध पौधों, फलों इत्यादि के पौधों व बीजों की बिक्री भी की जाएगी। विभिन्न कृषि निवेश जैसे–खाद, उर्वरक, बीज, पशु आहार, पशुचिकित्सा, कीट एवं रोग के नियंत्रण हेतु रासायनिक एवं जैविक उत्पाद, नर्सरी उत्पाद इत्यादि से सम्बन्धित फर्मों द्वारा भी अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं बिक्री की जायेगी। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र से जुड़े स्वयं सहायता समूहों द्वारा मेले में स्टाल लगाये जायेंगे। नाबार्ड के सहयोग से श्रीअन्न (मोटे अनाज) पर एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है। डा. जायसवाल ने बताया कि किसान मेले का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड ले. जनरल गुरमीत सिंह द्वारा अपराह्न 2:00 बजे किया जाएगा तथा मेले में लगी प्रदर्शनी का भ्रमण भी किया जाएगा। इसके उपरांत महामहिम राज्यपाल द्वारा गांधी हाल में सभी को संबोधित किया जाएगा। इस किसान मेले में छोटे–बड़े लगभग 450 स्टाल लगाये गये है। उन्होंने कहा कि इस मेले में उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं देश के विभिन्न राज्यों एवं पड़ोसी देशों से लगभग 20–25 हजार किसानों के आने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि किसान मेले में पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों हेतु छोटे कृषि यंत्रों जैसे ट्रैक्टर, पावर ट्रिलर, पावर वीडर, सब–स्वायलर एवं सिंचाई यंत्रों आदि की प्रदर्शनी लगायी जाएगी। मेले में आने वाली फर्मों के स्टालों का लगना जारी है। मेले में किसानों हेतु रहने की व्यवस्था की गयी। उन्होंने कहा कि किसान मेले को स्वच्छ बनाने एवं पॉलीथीन मुक्त रखने में सहयोग करें।

किसान मेले पर पत्रकारों से वार्ता करते निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल।